4 पक्षियों की सभा

पठन से पूर्व

वैज्ञानिक उन्नति के साथ-साथ हमारे जीवन में सुख-सुविधाओं के नए-नए साधन जुड़ते चले जा रहे हैं। मोटर-कार, एसी-फ्रिज, जेनरेटर— इन सबसे हमारा जीवन सुखद नज़र आता है, किंतु वास्तव में इन सबके द्वारा हम अपने पाँवों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। हवा-जल सब कुछ प्रदूषित हो रहा है।

चर्चा करें

पर्यावरण प्रदूषण के बारे में बच्चों से बातचीत करें। प्रकृति के संरक्षण के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं- इस पर भी चर्चा करें।

जीवन-मूल्य

पर्यावरण-संरक्षण, प्रकृति-प्रेम तथा अपने सुखद भविष्य के लिए कुछ करने की प्रेरणा ग्रहण करना।

अचरज वन के बीचोंबीच एक बड़ा-सा टीला था। सब पक्षी उस टीले की ओर जा रहे थे। वहाँ पक्षियों की सभा होने वाली थी। पक्षियों के राजा राजहंस ने यह सभा बुलाई थी। सभा में उसने अपने मित्र हाथी को भी बुलाया था। जंगल में सबसे बड़ा और समझदार पशु था।

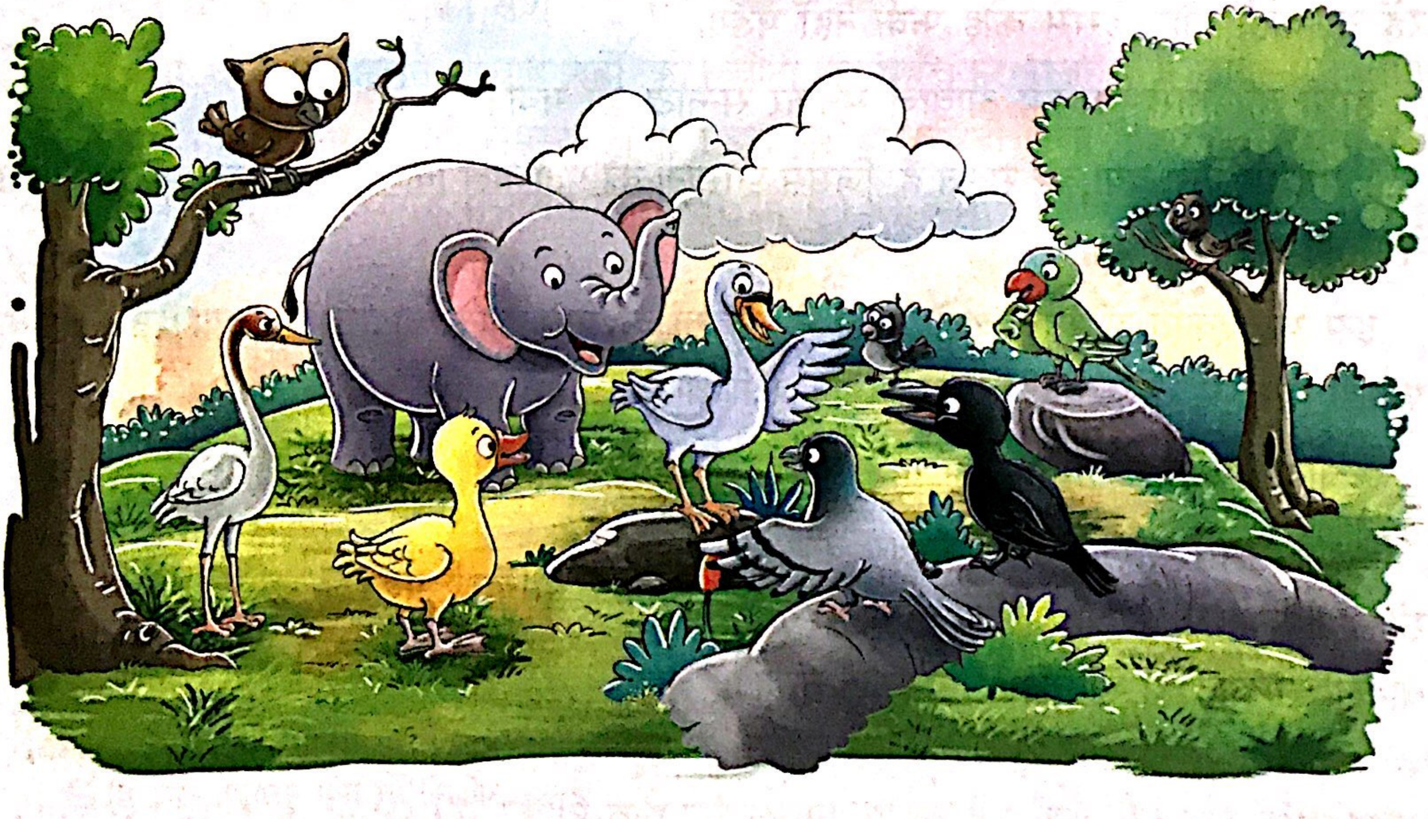

शब्दार्थ

टीला = मिट्टी या रेत का ऊँचा ढेर (hillock)

Scanned with CamScanner

सब पक्षी आ गए, तो सभा शुरू हुई। राजहंस के इशारे पर कबूतर ने कहना शुरू किया, "मित्रो, हम पक्षियों पर एक मुसीबत आ पड़ी है। अचरज नगर में रहने वाले लोगों ने हमारे वन के आसपास कई कारखाने लगा लिए हैं। उन कारखानों से निकलने वाला धुआँ यहाँ की वायु को ज़हरीला बना रहा है। इतना ही नहीं, अचरज नगर की ढेर सारी गाड़ियों से हर समय ज़हरीला धुआँ निकलता रहता है। इस कारण हवा अब इतनी दूषित हो गई है कि हम पक्षियों का यहाँ रहना कठिन हो रहा है। हम सबको मिलकर इस मुसीबत से निपटने का उपाय ढूँढ़ना होगा।

"क्यों न हम किसी और वन में जाकर रहें?"- तोते ने सुझाव दिया।

कौए ने कहा "हम सदियों से इस वन में रह रहे हैं। तो फिर हम अपने-अपने घर छोड़कर क्यों जाएँ? बात उलझती जा रही थी। तब हंस के कहने पर हाथी ने कहा, "भाइयो! मुझे लगता है कि हमें कोई ऐसा उपाय ढूँढ़ना होगा, जिससे इनसानों को अपनी गलती का एहसास हो जाए। तभी वे वायु-प्रदूषण को कम करने के लिए कुछ कदम उठाएँगे। नहीं तो हम यहाँ रहें या कहीं और, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा।"

हाथी की भारी-भरकम आवाज़ सुनकर सन्नाटा छा गया।

"पर हम ऐसा क्या कर सकते हैं, जिससे इनसानों को पता चले कि वे गलत कर रहे हैं?" तोते ने पूछा।

इस पर एकांत में रहने वाले उल्लू ने बादलों के पास जाने का सुझाव दिया। उल्लू एक पहाड़ी गुफ़ा में रहता था और बुद्धिमान पक्षी था।

"बादल कहाँ मिलेंगे? यहाँ तो आसमान बिलकुल साफ़ है!" कौए ने कहा।

"इस समय सारे बादल हिमालय की ओर जा रहे है। राजहंस को हिमालय जाना पड़ेगा। वहीं बादलों से बात हो पाएगी।" उल्लू ने कहा।

मौखिक प्रश्न

1. सब पक्षी किधर जा रहे थे और क्यों?
2. पक्षियों की सभा किसने बुलाई थी?
3. पक्षियों की सभा में हाथी क्यों आया था?
4. पक्षियों पर क्या मुसीबत आई थी?

शब्दार्थ

दूषित = गंदा (polluted), सदियों से = सैकड़ों वर्षों से (for centuries), वायु-प्रदूषण = हवा की गंदगी (air pollution), एकांत = सुनसान जगह (secluded/lonely place)

Scanned with CamScanner

सभा समाप्त हो गई। राजहंस कुछ मित्रों के साथ हिमालय की ओर चल दिया। सब बहुत दूर तक उड़ सकते थे और कई लंबी यात्राएँ कर चुके थे। कई दिनों की लंबी यात्रा के बाद वे हिमालय पहुँचे। वहाँ चारों ओर बादल ही बादल थे। कुछ बादल काले थे, तो कुछ सफ़ेद। कुछ बहुत ऊँचे उड़ रहे थे, तो कुछ नीचे थे।

राजहंस और उसके साथी उस पर्वत की चोटी की ओर उड़ चले। ठंड बहुत थी, हलकी-हलकी वर्षा भी हो रही थी, पर उन्होंने परवाह नहीं की। चोटी पर पहुँचकर राजहंस ने बादलों के राजा को प्रणाम किया और अपनी समस्या बताई। इस पर बादलों के राजा ने गरजती आवाज़ में कहा, "ये आदमी हर जगह मुसीबतें खड़ी कर रहे हैं। पर अब तुम सब लौट जाओ। मैं कुछ करता हूँ।"

सब पक्षी अचरज वन लौट आए। कुछ दिनों बाद वर्षा हुई, तो कबूतर ने राजहंस से कहा, "मैं अभी-अभी अचरज नगर से आ रहा हूँ। वहाँ सब लोग परेशान हैं। नगर में हड़कंप मचा हुआ है। चारों ओर तेज़ाब की वर्षा हो रही है।"

मौखिक प्रश्न

1. कौआ वन छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहता था?
2. हाथी का क्या कहना था?
3. उल्लू ने क्या सुझाव दिया?
4. राजहंस अपने मित्रों के साथ किधर चल पड़ा?
5. वहाँ कैसे-कैसे बादल थे?

एक पल रुककर कबूतर ने कहा, "मुझे तो लगता है कि बादलों ने उन्हें सज़ा दी है। अब लोगों को समझ में आएगा कि उन्होंने वायु को कितना दूषित कर दिया है! अब वायु-प्रदूषण

शब्दार्थ

हड़कंप = तहलका, आतंक (turmoil)

को रोकने के लिए वे कुछ न कुछ अवश्य करेंगे।"

वैसा ही हुआ, जैसा पक्षियों ने सोचा था। तेज़ाब की वर्षा ने अचरज नगर में रहने वाले लोगों को डरा दिया। सबको अपनी भूल और लापरवाही का एहसास हुआ। उन्होंने प्रदूषण घटाने के लिए कई उपाय किए। धीरे-धीरे हवा भी स्वच्छ होने लगी। इस पर सब पक्षियों ने राहत की साँस ली।

एक दिन बादलों का राजा अचरज वन के ऊपर से उड़ता हुआ पर्वतों की ओर जा रहा था। उसे देखकर सब पक्षी खुशी से झूम उठे। कई पक्षी उड़कर उसके पास आए और उसे धन्यवाद दिया। बादलों का राजा भी खुश था।

— *संकलित*

मौखिक प्रश्न

1. पक्षियों की समस्या सुनकर बादलों के राजा ने क्या कहा?
2. कबूतर ने राजहंस को क्या सूचना दी?
3. पक्षियों ने कब राहत की साँस ली?

Scanned with CamScanner

अभ्यास

पाठ-ज्ञान

Comprehension
- MCQs
- oral & written expression

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the correct answer —

(क) पक्षियों का राजा कौन था?
तोता ☐ राजहंस ☑ कबूतर ☐

(ख) पक्षियों के सामने समस्या क्या थी?
हवा का दूषित होना ☐ भोजन का न मिलना ☐ वर्षा न होना ☐

(ग) कौन उस वन को छोड़कर जाने की बात कर रहा था?
कबूतर ☐ कौआ ☐ तोता ☐

(घ) बादल के पास जाने का सुझाव किसने दिया?
उल्लू ने ☐ हाथी ने ☐ राजहंस ने ☐

(ङ) अचरज नगर के लोगों ने कब अपनी भूल और लापरवाही का एहसास किया?
जब पानी नहीं बरसा। ☐ जब वहाँ तेज़ाबी वर्षा हुई। ☐
जब सूखा पड़ने लगा। ☐

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer the questions —

(क) सब पक्षी टीले की ओर क्यों जा रहे थे?

....

....

....

(ख) अचरज वन की हवा दूषित क्यों हो गई थी?

....

Scanned with CamScanner

(ग) पक्षियों के सामने समस्या क्या थी?

(घ) अपनी समस्या को दूर करने के लिए वे किसके पास गए?

(ङ) ऐसी हालत यदि आपके इलाके में हो, तो आप क्या करेंगे? (मूल्यपरक प्रश्न)

3. **जो वस्तुएँ प्रदूषण फैलाती हैं, उन पर (✗) का निशान लगाइए Cross the ones that spread pollution —**

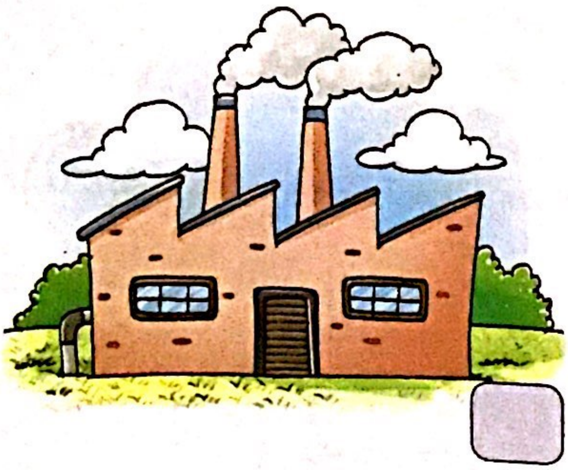

Scanned with CamScanner

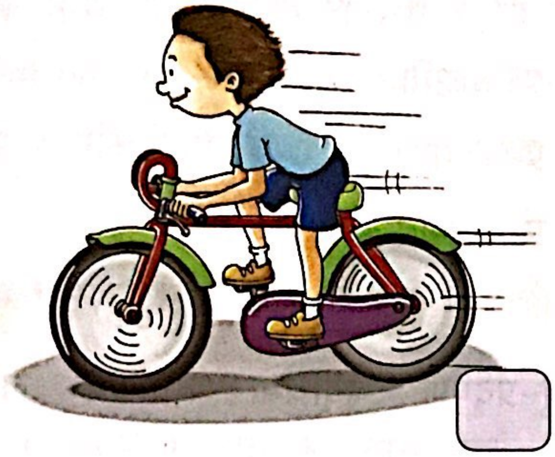

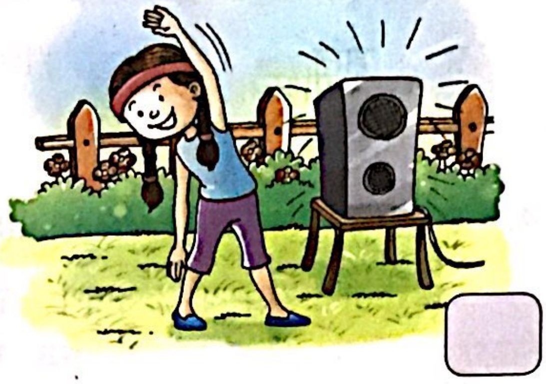

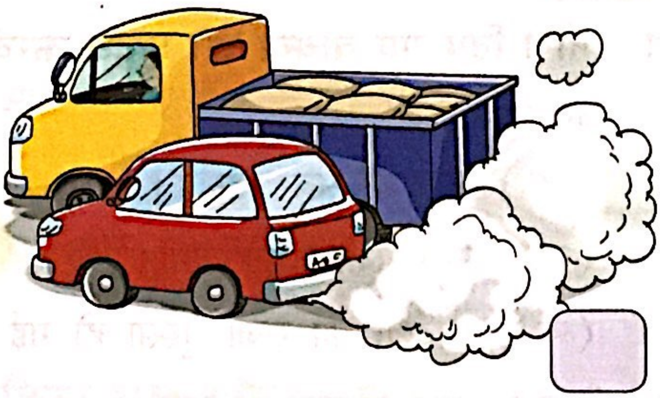

शब्द-संपदा

Vocabulary building

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए Write synonyms —

पक्षी —	खग,	विहग	बादल —	........,	....
पशु —	........,	....	पर्वत —	........,	....
मनुष्य —	........,	....	वन —	........,	....

2. विलोम शब्द लिखिए Write opposites (antonyms) —

दूषित	×	स्वच्छ	ठंड	×	....
बुद्धिमान	×	....	समस्या	×	....
आसमान	×	....	समाप्त	×	....

Scanned with CamScanner

3. **नए शब्द बनाइए Form new words —**

प्र + दूषण = प्रदूषण	प्र + गति = ...
प्र + शांत = ...	प्र + माण = ...
प्र + चार = ...	प्र + भाव = ...

4. **श्रुतलेख लिखिए Listen and write —**

ज़हरीला समस्या उपाय हिमालय वायु-प्रदूषण बुद्धिमान प्रणाम लापरवाही

भाषा-बोध

Grammar Skills

1. **नीचे दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए Correct and rewrite the following sentences —**

(क) मेरे को सब पता है। .... मुझे सब पता है।

(ख) सब पक्षी उड़ने लगीं। ....

(ग) बादलों का राजा गुस्सा हो गई। ....

(घ) सभा समाप्त हो गया। ....

(ङ) उन्होंने प्रदूषण कम करने के लिए कई उपाय किया। ....

2. **बच्चो, हर वाक्य में दो बातें होती हैं—**

(क) वाक्य में हम किसी व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के बारे में बात करते हैं।

(ख) फिर उस व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के काम के बारे में बात करते हैं।

जैसे— सब पक्षी उस टीले की ओर जा रहे थे।

इस वाक्य में हम 'सब पक्षी' के बारे में बात कर रहे हैं। हम जिसके बारे में बात करते हैं, वह वाक्य का **उद्देश्य** (subject) होता है।

उद्देश्य के बारे में हम जो भी बात करते हैं, वह **विधेय** (predicate) कहलाता है। यहाँ 'उस टीले की ओर जा रहे थे' विधेय है। सामान्य रूप से वाक्यों में उद्देश्य के अलावा शेष भाग विधेय होता है।

Scanned with CamScanner

अब आप नीचे लिखे वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय को अलग करके लिखिए
Point out the Subjects and the Predicates in the following sentences —

(क) पक्षियों के राजा राजहंस ने यह सभा बुलाई थी।

....

(ख) सभा में उसने अपने मित्र हाथी को भी बुलाया था।

....

(ग) अचरज नगर में रहने वाले लोगों ने हमारे वन के आसपास कई कारखाने लगा लिए हैं।

....

(घ) इस समय सारे बादल हिमालय की ओर जा रहे हैं।

....

(ङ) राजहंस और उसके साथी उस पर्वत की ओर उड़ चले।

....

3. पाठ में से पाँच-पाँच संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए Find from the lesson, Five Pronouns, Five Nouns and Five Verbs. Write them down —

संज्ञा : ....

सर्वनाम : ....

क्रिया : ....

4. नीचे दिए शब्दों की तरह दो-दो शब्द और बनाइए Form similar words as given below —

र अचरज ....

्र प्रदूषण ....

र्ष वर्षा ....

्र ट्रक ....

Scanned with CamScanner

श्रवण/वाचन-कौशल का विकास

Listening/Speaking Skills

वायु-प्रदूषण कम करने के उपायों को अपनी विज्ञान की अध्यापिका से सुनिए। फिर अपने दोस्तों को बताइए Get your science teacher's views on the various ways to combat air pollution. Discuss with friends.

आपकी कलम से

Creative Expression
- scientific approach
- picture reading

बच्चो, जल-चक्र के चित्र को देखिए, समझिए, फिर लिखिए कि बादल कैसे बनते और बरसते हैं Look at the water cycle. Write about the formation of clouds and rainfall —

....

....

....

....

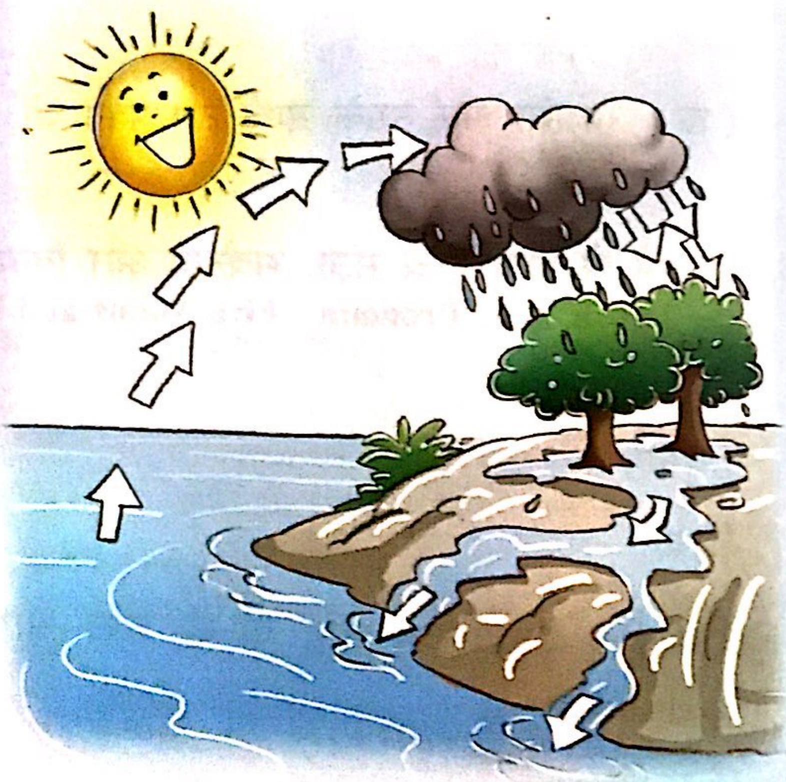

....

....

....

Scanned with CamScanner

खेल-खेल में

Creative Activities
- planting a sapling
- slogan writing
- poster making

1. प्रदूषण को कम करने में अपना योगदान दीजिए। अपने विद्यालय में 'वृक्षारोपण समारोह' का आयोजन कीजिए। कक्षा का हर छात्र या छात्रा एक-एक पौधा लगाए और उस पर अपनी स्वरचित स्लोगन बनाकर लिखें **Give your contribution to lessen pollution. Arrange a 'Tree Plantation Programme' in your school. Prepare a suitable slogan —**

2. नीचे दिया गया पोस्टर देखिए। एक पोस्टर आप बनाइए **Look at the poster given below. Make one yourself —**

5 राजीव की बहादुरी

पठन से पूर्व

साहस और वीरता के गुण जन्मजात होते हैं। इसे कोई सिखा नहीं सकता। किंतु यह बात सत्य है कि हम साहस और वीरता की कथाएँ सुनकर या पढ़कर उनसे प्रेरित होते हैं और समय आने पर हम भी साहसिक कार्य कर डालते हैं।

चर्चा करें

साहसी बच्चों की कथाएँ पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। प्रतिवर्ष हमारे देश में ऐसे बच्चों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाता है। उनके बारे में जानने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें तथा कक्षा में चर्चा करें।

जीवन-मूल्य

साहस, धैर्य, वीरता, निडरता, परोपकार तथा सूझबूझ।

मणिपुर की राजधानी इंफॉल में रहने वाले राजीव शर्मा को घूमने-फिरने का बहुत शौक था। जब भी स्कूल में छुट्टियाँ होतीं, वह अपने दोस्तों के साथ विभिन्न स्थानों की सैर को निकल पड़ता।

अर्धवार्षिक परीक्षाओं के बाद जाड़े की छुट्टियों में राजीव अपने मित्र भाग्याबन के घर रहने चला गया। दोनों खूब घूमते-फिरते।

एक दिन घूमते-घूमते राजीव और भाग्याबन काफ़ी थक गए थे। रात को भी उन्हें शीघ्र ही नींद आ गई। आधी रात के समय अचानक कमरे में धुआँ भर जाने के कारण राजीव की नींद खुल गई। उसने देखा कि कमरे का दरवाज़ा, जो रसोईघर से जुड़ा था, जल रहा है। वह फ़ौरन खतरे को भाँप गया और

शब्दार्थ

अर्धवार्षिक = छमाही (half yearly), शीघ्र = जल्दी (soon), खतरे को भाँप गया = खतरे को जान लिया (smelt the danger)

आग की लपटों को चीरता हुआ घर की पहली मंज़िल की ओर दौड़ा, जहाँ भाग्याबन का मानसिक रूप से विकलांग दस वर्षीय भाई मंगलेमजो सो रहा था।

"मंगलेमजो! उठो .... मंगलेमजो! उठो .... आग लग गई है......उठो," राजीव ने मंगलेमजो को आग से बचने के लिए उठाना चाहा।

मौखिक प्रश्न

1. राजीव कहाँ रहता था?
2. भाग्याबन कौन था?
3. एक दिन आधी रात को राजीव की नींद क्यों खुल गई और उसने क्या देखा?
4. मंगलेमजो कौन था?
5. राजीव परेशान क्यों हो रहा था?

पर जब मंगलेमजो नहीं उठा और आग से बेखबर गहरी नींद में सोता रहा, तो राजीव परेशान हो गया। आग की लपटें फैलती जा रही थीं। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि मंगलेमजो को कैसे बचाया जाए! अब तक मकान की लकड़ी से बनी सीढ़ियाँ भी जल चुकी थीं। वह मंगलेमजो और भाग्याबन को बचाने के प्रयास में और समय बरबाद नहीं करना चाहता था।

सहसा राजीव को एक तरकीब सूझी। उसने पास पड़ी एक धोती उठाई और उसके एक सिरे से मंगलेमजो को बाँधा तथा दूसरे सिरे को मकान में लगे एक लकड़ी के खंभे से बाँध दिया। अब उसने पहले तो मंगलेमजो को नीचे सुरक्षित पहुँचाया, फिर स्वयं भी पास के रेत के ढेर पर कूद गया।

शब्दार्थ

विकलांग = जिसका कोई अंग खराब हो (handicapped), प्रयास = कोशिश (effort), सहसा = अचानक (suddenly), सुरक्षित = जो खतरे से बाहर हो (safe)

Scanned with CamScanner

चूँकि इस कोशिश में राजीव काफ़ी जल भी चुका था, इसलिए रेत के ढेर पर गिरते ही बेहोश हो गया।

तब तक आग की लपटों को देख भाग्याबन के साथ-साथ आसपास के और लोग भी जाग गए और सहायता के लिए आ पहुँचे।

शीघ्र ही कुछ लोग राजीव की मरहम-पट्टी में जुट गए, तो कुछ धोती में बँधे मंगलेमजो को बचाने में। आग पर भी जल्द ही काबू पा लिया गया।

राजीव को जब होश आया, तो उसने देखा कि सभी लोग मुक्त कंठ से उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। भाग्याबन और मंगलेमजो की आँखों से तो खुशी के आँसू ही निकल आए थे।

राजीव की इस बहादुरी के लिए वर्ष 1998 के गणतंत्र दिवस पर उसे सबसे बड़े 'राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार' के अंतर्गत 'संजय चोपड़ा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जहाँ भाग्याबन एवं मंगलेमजो के माता-पिता उस घटना में राजीव के धैर्य एवं साहस की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे, वहीं उसे ढेर सारा आशीर्वाद भी दे रहे थे। और तो और, राजीव के माता-पिता भी बेटे की बहादुरी पर कम खुश न थे।

मौखिक प्रश्न

1. अचानक राजीव को क्या तरकीब सूझी?
2. फिर उसने क्या किया?
3. आसपास के लोगों ने आग में फँसे बच्चों की किस प्रकार सहायता की?
4. राजीव को किस पुरस्कार से कब सम्मानित किया गया?

शब्दार्थ

मुक्त कंठ से = खुले दिल से (whole heartedly)

Scanned with CamScanner

अभ्यास

Comprehension
- MCQs
- oral & written expression

पाठ-ज्ञान

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the correct answer —

(क) मणिपुर की राजधानी का नाम क्या है?

कोहिमा ☐ इंफॉल ☑ आइज़ोल ☐

(ख) राजीव के मित्र का नाम क्या था?

मंगलेमजो ☐ संजय चोपड़ा ☐ भाग्याबन ☐

(ग) मानसिक रूप से विकलांग कौन था?

मंगलेमजो ☐ भाग्याबन ☐ राजीव शर्मा ☐

(घ) सब लोग किसकी प्रशंसा कर रहे थे?

मंगलेमजो की ☐ भाग्याबन की ☐ राजीव की ☐

(ङ) राजीव को कौन-सा पुरस्कार दिया गया?

संजय चोपड़ा पुरस्कार ☐ संजय गांधी पुरस्कार ☐ राजीव गांधी पुरस्कार ☐

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer the questions —

(क) राजीव कौन था और स्कूल की छुट्टियों में वह क्या करता था?

....

....

....

(ख) मंगलेमजो के न जागने पर राजीव परेशान क्यों हो गया?

....

....

Scanned with CamScanner

(ग) राजीव ने मंगलेमजो को कैसे बचाया?

(घ) लोग राजीव के किन गुणों की प्रशंसा कर रहे थे? (मूल्यपरक प्रश्न)

(ङ) क्या बहादुर बच्चों को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित करना उचित है? इसका कारण भी बताइए। (मूल्यपरक प्रश्न)

3. उन वस्तुओं पर (✓) का निशान लगाइए, जिनमें आग जल्दी पकड़ लेती है
Tick (✓) the things that catch fire quickly —

पेट्रोल

कागज़

दूध

लोहा

एल.पी.जी. गैस

मिट्टी

रुई

लकड़ी

Scanned with CamScanner

शब्द-संपदा

Vocabulary building

1. **समानार्थक शब्दों को आपस में मिलाइए Match the words with their appropriate synonyms —**

स्कूल	वीरता
रात	पर्याप्त
दरवाज़ा	ज्वालाएँ
लपटें	विद्यालय
कोशिश	कपाट
काफ़ी	रात्रि
बहादुरी	प्रयास

2. **विलोम शब्द लिखिए Write opposites (antonyms) —**

मित्र	×	शत्रु	धैर्य	×	....
प्रशंसा	×	....	शीघ्र	×	....
सुरक्षित	×	....	सम्मानित	×	....

3. **नीचे लिखे वाक्यांशों के अर्थ लिखिए Write the meanings —**

(क) खतरे को भाँपना = ...

(ख) काबू पा लेना = ...

(ग) मुक्त कंठ से प्रशंसा करना = ...

4. **इन शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए और दो बार सुंदर-सुंदर लिखिए Read out the words and write them twice —**

अर्धवार्षिक — ....

मरहम-पट्टी — ....

Scanned with CamScanner

अंतर्गत — ....

सम्मानित — ....

प्रशंसा — ....

विकलांग — ....

प्रयास — ....

इंफॉल — ....

चूँकि — ....

सुरक्षित — ....

भाषा-बोध

Grammar Skills

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए Read, understand and write —

- विद्या के लिए आलय ...... विद्यालय
- रसोई के लिए घर ....
- पूजा के लिए घर ....
- देश के लिए भक्ति ....
- गुरु के लिए दक्षिणा ....
- आराम के लिए कुरसी ....
- अनाथों के लिए आलय (घर) ....
- दीवार के लिए घड़ी ....
- युद्ध के लिए भूमि ....
- यज्ञ के लिए शाला ....

2. उदाहरण पढ़कर समझिए और 'प्रत्यय' लगाकर नए शब्द बनाइए Make new words by adding a prefix before them. See the examples —

वर्ष + इक = ... वार्षिक

मनस + इक = ...

समाज + इक = ...

शरीर + इक = ...

सप्ताह + इक = ...

सम्मान + इत = ... सम्मानित

सुरक्षा + इत = ...

शिक्षा + इत = ...

चित्र + इत = ...

लिख + इत = ...

Scanned with CamScanner

3. र और र् का सही प्रयोग कर शब्द बनाइए Form words with the correct usage of the sounds (short and long) र and र् —

्र	→	प्रयास	पशंसा	पकार	शीघ
र्‍	→	वर्षीय	अधवाषिक	अंतगत	आचाय
्र	→	राष्ट्रीय	डाइवर	डामा	टक

4. उचित विराम-चिह्न लगाइए Put the correct punctuation marks in the following sentences —

! , । " " ?

(क) आग पर भी जल्द ही काबू पा लिया गया

(ख) उसने देखा कि कमरे का दरवाज़ा जो रसोईघर से जुड़ा है जल रहा था

(ग) पिता ने कहा परिश्रम ही सफलता की कुंजी है

(घ) आप कहाँ जा रहे हैं

(ङ) मंगलेमजो उठो आग लग गई है

5. नीचे दिए गए शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए Write synonyms for the words given below —

फ़ौरन	खतरा	बरबाद	तरकीब	बेहोश	जल्द	काबू
....	....	....	....	....	....	....

श्रवण/वाचन-कौशल का विकास — Listening/Speaking Skills

अपने गाँव, शहर या प्रांत के किसी बहादुर बच्चे की कहानी सुनिए। फिर कक्षा में उचित हाव-भाव के साथ सुनाइए Read and then narrate a story about a brave deed performed by a child of your town, village or state.

Scanned with CamScanner

Creative Expression
- picture reading
- story writing

आपकी कलम से

नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए। शब्द-संकेतों की सहायता से एक छोटी-सी कहानी लिखने का प्रयास कीजिए Look at the picure. Write a short story with the help of clues given below —

संकेत-बिंदु : संदीपन नाम का लड़का — दोस्त के घर जाना — रास्ते में रेल की पटरी उखड़ी हुई देखना — रेलगाड़ी को सामने से आता देखकर कुछ सोचना — फिर अपनी लाल कमीज़ उतारकर उसे हिलाना — ड्राइवर का गाड़ी रोक देना — एक बड़ी दुर्घटना का टलना — सरकार द्वारा उसकी सूझबूझ के लिए पुरस्कार देना।

....

....

Scanned with CamScanner

खेल-खेल में

Creative Activities
- album making
- usage of internet-collecting data

1. छब्बीस जनवरी की परेड देखिए। हाथी या जीप पर बैठे बहादुर बच्चों के चित्र इकट्ठे कर एक एलबम बनाइए। हर चित्र के नीचे उन्हें पुरस्कार मिलने का कारण लिखिए **Watch the Republic Day Parade. Collect pictures of children who receive bravery award and make an album. Describe the bravery act of each child.**
2. 'संजय चोपड़ा पुरस्कार' और 'गीता चोपड़ा पुरस्कार' कब शुरू हुआ ? इंटरनेट से पता लगाइए। संजय चोपड़ा और गीता चोपड़ा कौन थे ? उनके नाम से यह वीरता पुरस्कार क्यों दिया जाता है ? **When were the Sanjay Chopra and Geeta Chopra Awards introduced? Who were Sanjay Chopra and Geeta Chopra? What brave act is associated with their names?**

Scanned with CamScanner

6

अनमोल दोहे

पठन से पूर्व

दोहे दो पंक्तियों की ऐसी रचना हैं, जिनमें बड़ी से बड़ी बात भी कम शब्दों में कह दी जाती है, साथ ही कोई अच्छा-सा उदाहरण देकर वह बात सिद्ध भी की जाती है। दोहों में जीवन के अनुभवों का गूढ़ सार निहित होता है।

चर्चा करें

उत्तर भारत के महान संत कवि कबीरदास और दक्षिण भारत के महान संत कवि तिरुवल्लुवर में अद्भुत समानता पाई जाती है। दोनों के माता-पिता ने इन्हें जन्म देकर छोड़ दिया था और दोनों का पालन-पोषण निस्संतान जुलाहे दंपतियों ने किया था। दोनों ने गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए सात्विक जीवन की साधना की तथा अपने जीवनगत अनुभवों को 'दोहे या कुरल' के रूप में समाज के सामने रखा था।

जीवन-मूल्य

परोपकार, सत्यनिष्ठा, मीठी वाणी, समय का महत्त्व तथा आदर्श जीवन का निर्वाह करना।

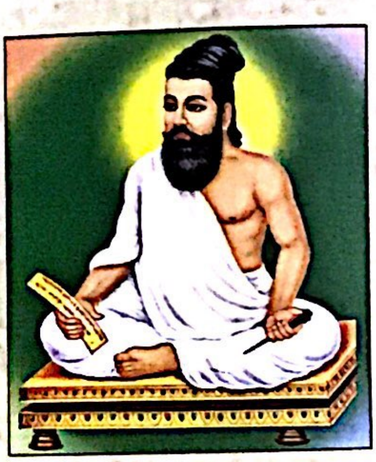

उपकारी नहीं चाहते, पाना प्रत्युपकार।
बादल को बदला भला, क्या देता संसार॥ १॥

दान-पुण्य-तप-कर्म भी करते हैं जो लोग।
उनसे बढ़ हैं हृदय से, सच बोलें जो लोग॥ २॥

— संत तिरुवल्लुवर

काल्ह करै सो आज कर, आज करै सो अब्ब।
पल में परलै होयगी, बहुरि करैगो कब्ब॥ ३॥

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय॥ ४॥

— संत कबीर दास

शब्दार्थ : उपकारी = भलाई करने वाला (one who does good to others), प्रत्युपकार = (प्रति+उपकार) भलाई के बदले भलाई (one good turn deserves another), बढ़ = महान (greater), काल्ह = कल (tomorrow), करै = करना हो (to do), अब्ब = अब, अभी (now), परलै = प्रलय, विनाश (destruction or end of the world), बहुरि = बाद में (later), करैगो = करोगे (will you do), कब्ब = कब (when), आपा = अहंकार (pride), सीतल = ठंडा (cool), आपहुँ = स्वयं (oneself)

Scanned with CamScanner

अभ्यास

दोहा-ज्ञान

Comprehension
- MCQs
- oral & written expression

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the right answer —

   (क) संत तिरुवल्लुवर सबसे बड़ा व्यक्ति किसे मानते हैं?
   जो दान-पुण्य करते हैं ☐ जो हमेशा सच बोलते हैं ☑
   जो तपस्या करते हैं ☐

   (ख) उपकार करने वाला व्यक्ति क्या नहीं चाहता है?
   नाम-यश ☐ रुपया-पैसा ☐ प्रत्युपकार ☐

   (ग) कबीरदास जी ने सब काम कब करने के लिए कहा है?
   कल ☐ अभी ☐ बाद में ☐

   (घ) कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
   जो आपको अच्छी लगे ☐ जो दूसरों को अच्छी लगे ☐
   जो आपको और दूसरों को शांति (शीतलता) पहुँचाए ☐

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer the questions —

   (क) संत तिरुवल्लुवर ने उपकारी की तुलना किससे की है और क्यों?

   ....

   ....

   ....

   (ख) मीठी वाणी बोलने से क्या लाभ होगा? (मूल्यपरक प्रश्न)

   ....

   ....

   ....

Scanned with CamScanner

(ग) कोई भी काम 'कल' के लिए टालने से क्या-क्या नुकसान होंगे ? (मूल्यपरक प्रश्न)

....

....

....

(घ) संत तिरुवल्लुवर ने दान-पुण्य-तपस्या आदि करने वालों से भी महान किसे और क्यों बताया है ? (मूल्यपरक प्रश्न)

....

....

....

(ङ) संत कबीर और संत तिरुवल्लुवर के दोहों में क्या समानता है ?

....

....

....

3. ये बातें जिन दोहों में कही गई हैं, उन्हें लिखिए —

(क) हमेशा सच बोलने वाला व्यक्ति ही महान होता है।

....

....

(ख) काम में देर नहीं करनी चाहिए।

....

....

शब्द-संपदा

Vocabulary building

1. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए **Write two synonyms for each of the following words —**

बादल — ...., ...	वाणी — ...., ...
संसार — ...., ...	बारिश — ...., ...

Scanned with CamScanner

2. कबीरदास जी की भाषा सधुक्कड़ी थी। अतः उनकी भाषा को समझने के लिए हमें उनके द्वारा बोले गए शब्दों के शुद्ध मानक रूप को जानना पड़ेगा। जैसे—
काल्ह = कल, परलै = प्रलय, सीतल = शीतल

अब आप नीचे दिए गए शब्दों के मानक रूप लिखिए **Write down the given words in their correct form —**

अब्ब — .... औरन — .... बानी — ....

कब्ब — .... आपहुँ — .... होयगी — ....

3. 'कर' शब्द के कई अर्थ हैं —

❖ हाथ ❖ किरण ❖ करना (क्रिया) ❖ टैक्स ❖ सूँड़

इसी प्रकार आप भी शब्दों के अर्थ समझते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए **Make sentences with the following words bringing out their correct meaning —**

(क) कल
→ आनेवाला दिन/बीता हुआ दिन ....
→ मशीन (यंत्र) ....

(ख) काल
→ मृत्यु ....
→ क्रिया का काल (भूत, वर्तमान, भविष्य) ....

भाषा-बोध

Grammar Skills

1. पढ़िए और समझिए **Read and understand —**

संत तिरुवल्लुवर ने तमिल भाषा में अपनी रचनाएँ की हैं। उन्होंने कुल तेरह सौ तीस कुरल रचे। 'तिरुक्कुरल' को तमिल भाषा का वेद माना जाता है। इसका अनुवाद प्रायः सभी भारतीय भाषाओं में हुआ है। साथ ही अंग्रेज़ी, फ्रांसीसी, जर्मन, रूसी, सिंहली आदि विदेशी भाषाओं में भी इसके अनुवाद मिलते हैं।

Scanned with CamScanner

ये 'कुरल' दोहे जैसे ही हैं, जिनमें उनके जीवन के अनुभवों का वर्णन है। दोहे दो-दो पंक्तियों की रचना होते हैं। दोहों की विशेषता यह है कि प्रत्येक दोहा अपने आप में पूर्ण होता है। इसकी एक पंक्ति में कवि कोई ज्ञान की बात बताते हैं, तो दूसरी पंक्ति में उससे संबंधित कोई उदाहरण पेश करते हैं। प्रत्येक दोहे में कोई नीति या जीवन-मूल्य संबंधी ज्ञान होता है।

2. उपसर्ग और प्रत्यय **Prefix and Suffix** —

उप + कार + ई = उपकारी	प्रति + उप + कार = प्रत्युपकार
सम् + सार = संसार	संसार + इक = सांसारिक

'उपकारी' शब्द में 'उप' उपसर्ग, 'कार' मूल शब्द और 'ई' प्रत्यय है। 'प्रत्युपकार' में 'प्रति' और 'उप' दो उपसर्ग हैं, संसार में 'सम्' उपसर्ग तथा सांसारिक में 'इक' प्रत्यय जुड़ा हुआ है।

उपसर्ग और प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जो शब्दों के पहले या पीछे जुड़कर उनके अर्थ में बदलाव लाते हैं।

नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, उनमें से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए Separate the prefix, main word and the suffix in the following —

विदेशी = ... + ... + ...

प्रलय = ... + ...

शीतलता = ... + ...

सामाजिक = ... + ...

श्रवण/वाचन-कौशल का विकास

Listening/Speaking Skills

अपनी संगीत शिक्षिका की मदद से दोहों को लय में गाना सीखिए। फिर कक्षा में अपने सहपाठियों को सुनाइए Learn to sing the *Dohas* (couplets) with the help of your music teacher. Recite in class.

Scanned with CamScanner

आपकी कलम से

Creative Expression
- letter writing

पाठ में आए अनमोल दोहों में से कौन-सा दोहा आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों ? अपने मित्र को पत्र द्वारा बताइए Write a letter to your friend telling him about the *Doha (rhyming couplet)* you liked the most and why —

....

....

....

....

....

....

....

....

....

तुम्हारा / तुम्हारी

....

Creative Activities
- chart making
- collecting dohas

खेल-खेल में

1. **संत कबीरदास और संत तिरुवल्लुवर के दोहों को चार्ट पर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में टाँगिए Make a chart on the *Dohas* of Sant Kabir Das and Sant Tiruvalluvar. Put up the chart in class.**
2. **कबीर, रहीम, गुरु नानक आदि के दोहों का संग्रह कर अपनी एक 'दोहावली' तैयार कीजिए Prepare a Collection of Sant Kabir, Rahim and Guru Nanak's *Dohas* or *Couplets*, written by them.**

Scanned with CamScanner

बचपन के दिन

Reading is fun

मैंने अपने बचपन के दिनों को अपने मन में हमेशा दो भागों में बाँटा है— एक वे जो मैंने पुराने आनंद भवन में बिताए (अब वह 'स्वराज भवन' के नाम से जाना जाता है) और दूसरे नए आनंद भवन में बिताए हुए दिन। विस्तृत क्षेत्र में फैला हमारा पुराना घर बहुत भव्य था। अनगिनत चचेरे भाई-बहन और रिश्तेदार सदा हमारे साथ रहते थे। वहाँ खूब अतिथि-सत्कार होता और सामाजिक तथा अन्य प्रकार की गतिविधियाँ चलती रहती थीं।

मेरे पिता, माता और मैं ऊपरी मंज़िल में रहते थे, इसलिए हमें साथ रहने का मौका तथा एकांत मिल जाता था। यह दो कमरों के फ़्लैट की तरह था। उसमें पुस्तकालय और बैठक की तरह प्रयोग किया जाने वाला एक बड़ा कमरा और उससे जुड़ा एक लंबा-चौड़ा शयनकक्ष था। इसके साथ ही तरह-तरह के चीनी मिट्टी के सामान से सजा एक बरामदा था। दोस्तों से मिलना, पढ़ना, सोना इत्यादि हमारी समस्त गतिविधियों का केंद्र कमरा न होकर अकसर बरामदा ही होता था। कमरों के दोनों ओर खुली छत थी। दौड़-भाग में मज़ा लेने वाले बच्चों के लिए तो वह जगह स्वर्ग के समान थी।

मुझे अँधेरे से डर लगता था, जैसा कि शायद प्रत्येक छोटे बच्चे को लगता है। रोज़ शाम को अकेले ही निचली मंज़िल के खाने के कमरे से ऊपरी मंज़िल के अपने शयनकक्ष तक की यात्रा मुझे भयभीत करती थी। इसका मतलब था लंबे, फैले हुए बरामदे को पार करना, चरमराती हुई लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ना और एक स्टूल पर चढ़कर दरवाज़े के हैंडल तथा बत्ती के स्विच तक पहुँचना। अगर मैंने अपने डर की बात किसी से कही होती, तो मुझे पूरा विश्वास है कि कोई-न-कोई मेरे साथ ऊपर आ जाता या यह देख लेता कि बत्ती जल रही है या नहीं। लेकिन उस उम्र में भी साहस का ऐसा महत्व था कि मैंने निश्चय किया कि मुझे इस अकेलेपन के भय से अपने आप ही छुटकारा पाना है।

मेरी माँ अस्वस्थ थीं, इसलिए ज़रूरी था कि किसी किस्म का शोर न हो। जब वह आराम कर रही होतीं, तो उनका ध्यान रखते हुए मैं दबे पाँव चलती और अँधेरे में ही तैयार हो जाती। ये आदतें बाद के जीवन में मेरे बहुत काम आईं।

मुझे पेड़ों पर चढ़ना बहुत पसंद था, लेकिन मैं केवल आनंद के लिए ही पेड़ों पर नहीं चढ़ती थी, बल्कि इसलिए भी कि मुझे बड़ों की पहुँच से बाहर होने में खुशी मिलती। मैं अकसर लड़कों वाले कपड़े पहनती थी और दादू मुझे अपना पोता कहते थे। वह मुझे 'बकरी' भी कहते थे क्योंकि मुझे हरी चीज़ें खाना पसंद था और मैं हमेशा सड़क को छोड़ सीधे पहाड़ियों पर हाथ-पैर के बल चढ़ जाती थी।

उन दिनों मनोरंजन आज की तुलना में ज़्यादा आसान होता था। हम ऐसे बगीचों में पिकनिक मनाने के लिए जाते, जो अपने विशेष आमों के लिए प्रसिद्ध थे या केवल आम के बगीचे में बैठने नहीं जाते। नदी किनारे मनाई पिकनिक में सबसे ज़्यादा मज़ा आता था। वहाँ हम तैरते या नाव की सैर करते। नदी किनारे बना सिझावन देवता का पुराना मंदिर हमारा मनपसंद स्थान था। वहाँ बहुत सारे मगरमच्छ थे। एक अन्य स्थान 'कर्ज़न ब्रिज' था, जहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अपूर्व होता था।

बगीचा और छत मेरे मनपसंद स्थान थे। लेकिन मुझे पुस्तकालय तथा किताब पढ़ने से पहले उसे महसूस करना और देखना भी अच्छा लगता था। मेरे पिता का पुस्तकालय ऊपरी मंज़िल पर था। निचली मंज़िल पर दादा का पुस्तकालय था- यह मेरे लिए वर्जित स्थान था, लेकिन फिर भी मैं वहाँ घुस जाती थी। वह ज़्यादातर कानून के भारी-भरकम ग्रंथों से भरा हुआ था।

मैं खिलौने की ज़्यादा शौकीन नहीं थी। शुरू में मेरा मनपसंद खिलौना एक भालू था, जो उस पुरानी कहावत की याद दिलाता है कि दया से कोई मर भी सकता है, क्योंकि प्यार के कारण मैंने उसे नहलाया था और अपनी आंटी के चेहरे पर लगाने वाली नई और महँगी फ्रेंच क्रीम को उस पर थोप दिया था। अपनी रुआँसी हो आई आंटी से पिटाई खाने के अलावा भालू के सुंदर बाल भी हमेशा के लिए खराब हो गए थे।

— श्रीमती इंदिरा गांधी

7 डिज़नीलैंड की सैर

पठन से पूर्व

मनुष्य स्वभाव से आनंद-प्रिय है। वह अपने मनोरंजन के लिए नए-नए उपाय ढूँढ़ता है। आज से बरसों पहले मनुष्य वनों में, बागों में, पहाड़ियों पर पिकनिक मनाने जाता था; नदियों में, नावों पर चप्पू चलाता था, तालाब और पोखर में डुबकी लगाना तो उसका रोज़ का काम था। लेकिन आज के बदलते परिवेश में मनोरंजन के साधनों के रूप में भी रोज़ बदलाव आ रहे हैं। वॉटर पार्क, एम्यूज़मेंट पार्क आदि इसी परिवर्तन के पणिाम हैं।

चर्चा करें

आम तौर पर बच्चे घर में या बाहर किस प्रकार मनोरंजन करते हैं। उन्हें मित्रों के साथ खेलना अच्छा लगता है या अकेले वीडियो गेम्स? उन्हें सबके साथ मिल-जुलकर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

जीवन-मूल्य

स्वस्थ मनोरंजन, नित्य नए अनुभव और सबके साथ मिल-बाँटकर उस आनंद को द्विगुणित करना।

करीब सात-आठ महीने के बाद माधवन अपने घर लौटा। वह कैलिफ़ोर्निया में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था। उसके कॉलेज की छुट्टियाँ चल रही थीं। माधवन के घर आने से सभी खुश थे, विशेषकर उसके दोनों छोटे भाई-बहन — राघवन और अनन्या। घर के आसपास के बहुत-से लोग उससे मिलने आए थे। दोपहर को खाना खाने के बाद राघवन ने अपने बड़े भाई से वहाँ की ज़िंदगी के बारे में जानना चाहा। माधवन खुशी से अपने कॉलेज और मित्रों के बारे में बताते हुए बोला, "मैं कुछ दिन पहले अपने मित्रों के साथ डिज़नीलैंड की सैर पर गया था।"

'डिज़नीलैंड' का नाम सुनते ही अनन्या खुशी से उछल पड़ी, "भइया, वह तो जादुई नगरी है न! आप वहाँ गए थे?"

शब्दार्थ

उच्च शिक्षा = ऊँची कक्षा की शिक्षा (higher studies)

Scanned with CamScanner

"हाँ-हाँ, हम चार-पाँच मित्र मिलकर एक बार वहाँ गए थे। वह वास्तव में एक जादुई नगरी है, जिसे देखने के लिए सुबह से ही बच्चे-बूढ़े-जवान कतार में खड़े होकर प्रवेश पाने की प्रतीक्षा करते हैं," माधवन ने उत्सुकतापूर्वक बताया।

राघवन ने पूछा, "तो क्या वहाँ बहुत भीड़ होती है?"

"हाँ, वहाँ प्रतिदिन हज़ारों लोग आते हैं और तरह-तरह की राइड्स का आनंद उठाते हैं।"

अनन्या ने पूछा, "भइया, इसके बारे में सब ठीक से बताइए न!"

तब माधवन ने कहना शुरू किया, "अच्छा अच्छा, सुनो— डिज़नीलैंड पार्क सपनों की अद्भुत दुनिया है। यह कैलिफ़ोर्निया में ही स्थित है। वास्तव में इस थीम पार्क का निर्माण वॉल्ट डिज़नी ने किया और उनके नाम पर इसका नाम 'डिज़नीलैंड' पड़ा। एक बार वॉल्ट डिज़नी अपनी दो बेटियों-डायना और शेरॉन के साथ 'ग्रिफ़िथ पार्क' घूमने गए। वहाँ के अनुभव ने उन्हें यह सोचने पर विवश कर दिया कि एक ऐसा पार्क होना चाहिए, जहाँ बच्चे और बूढ़े दोनों आनंद उठा सकें। उन्होंने संसार के कई प्रसिद्ध मेलों को ध्यान में रखा और एम्यूज़मेंट पार्क को 'थीम पार्क' से जोड़ने का प्रयास किया। ऑकलैंड के 'चिल्ड्रन फ़ेयरी लैंड' और कोपनहेगन के 'टिवोली गार्डन' को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कैलिफ़ोर्निया में 'डिज़नीलैंड' की स्थापना की। सोमवार 18 जुलाई, 1955 को आम जनता के मनोरंजन के लिए यह खोला गया। पहले दिन ही लगभग 50,000 लोगों ने इस जादुई नगरी का आनंद उठाया।"

माधवन अभी रुका ही था कि राघवन ने प्रश्नों की बौछार कर दी, "भइया! वहाँ क्या-क्या है, यह तो बताइए? कौन-कौन-से राइड्स हैं? सब कुछ बताइए।"

माधवन ने हँसकर कहा, "हाँ-हाँ, सब बताता हूँ। पहले चाय की एक प्याली तो मिल जाए! गला सूख रहा है।"

मौखिक प्रश्न

1. माधवन कहाँ और क्यों गया था?
2. उसके छोटे भाई-बहनों के नाम क्या हैं?
3. डिज़नीलैंड कहाँ है और इसे किसने बनाया?
4. आम जनता के लिए इसे कब खोला गया?

शब्दार्थ

राइड्स = सवारियाँ (rides), अद्भुत = अनोखी (unique), थीम पार्क = खास विषयवस्तु से संबंधित पार्क (theme park), एम्यूज़मेंट पार्क = मनोविनोद का स्थान (amusment park)

Scanned with CamScanner

अनन्या चाय लाने के लिए किचन की तरफ़ दौड़ी। कुछ देर बाद पाँच कप चाय लेकर वह भइया के कमरे में आ गई। उस समय माँ और पिता जी भी डिज़नीलैंड की कहानी सुनने वहाँ पहुँच गए थे। सबके हाथ में कप पकड़ाकर वह अपने भाई माधवन से सटककर बैठ गई।

माधवन ने फिर कहना शुरू किया, "डिज़नीलैंड में कॉमिक्स तथा कहानियों के परिचित पात्र साकार किए गए हैं। सिंड्रेला से ऑटोग्राफ़ लेने और उसके साथ फ़ोटो खिंचवाने के लिए बच्चों की भीड़ और उनका उत्साह देखने योग्य है। कहीं स्नो ह्वाइट, बेल्ला, एरियल के रूप में सुसज्जित राजकुमारियाँ बच्चों का ध्यान खींचती हैं, तो कहीं 'विनी द पू' की अदाएँ सबको लुभाती हैं। 'टिगर' की हँसाने वाली उछल-कूद देखकर सब मस्त हो जाते हैं। 'टून टाउन' में मिकी और मिनी का विशाल घर है।"

"और राइड्स के बारे में बताइए न!" अनन्या ने उछलते हुए कहा।

"हाँ बहना, अभी बताता हूँ। यहाँ की अद्भुत राइड्स का मज़ा तो सभी ले सकते हैं। 'रोलर कोस्टर' की डरावनी यात्रा में तो छोटे-बड़े सबकी चीखें सुनाई देती हैं।

'इट्स अ स्मॉल वर्ल्ड' की मज़ेदार यात्रा पूरे विश्व का दर्शन करा देती है। कहीं वैज्ञानिक चमत्कार, तो कहीं आकाश छूते रॉकेट की सवारी और कहीं मनमोहक दृश्य - सब कुछ अनोखा है।

शब्दार्थ

परिचित = जाने-पहचाने (known), पात्र = भूमिका अदा करने वाले (characters),
साकार = आकार के साथ, स्थूल (having form or shape)

Scanned with CamScanner

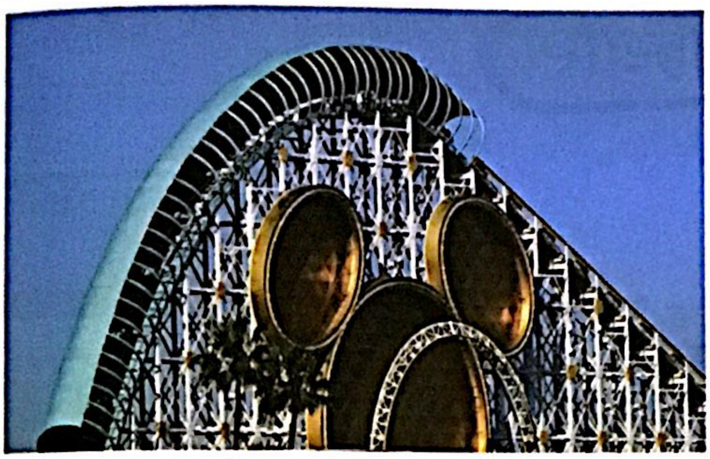

रोलर कोस्टर राइड

एलिस इन वंडरलैंड कप

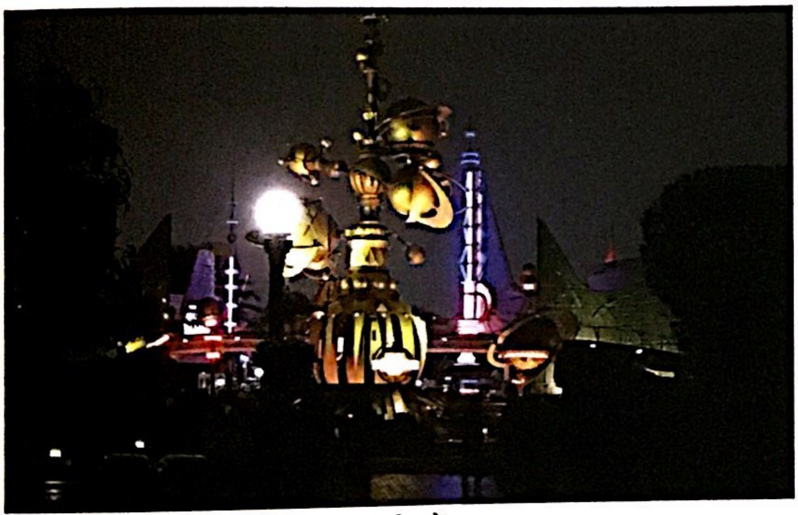

टुमॉरोलैंड

'एलिस इन वंडरलैंड' के कप में चक्कर खाना भी कम मज़ेदार नहीं। 'टुमॉरोलैंड' भावी रहस्यों से भरी रोमांचक दुनिया की सैर कराता है। सचमुच, डिज़नीलैंड की अनोखी दुनिया की सैर का मज़ा ही अनोखा है। एक बार नहीं, वहाँ तो बार-बार जाने का मन करता है।" अब माँ ने पूछा, "वहाँ के फ़ोटो नहीं लाए, बेटा?" माधवन ने तुरंत कहा, "हाँ माँ, अभी आप सबको फ़ोटो दिखाता हूँ। एक नहीं, अनेक..........," सभी खिलखिलाकर हँस पड़े।

मौखिक प्रश्न

1. अनन्या माधवन से सटकर क्यों बैठ गई?
2. 'टून टाउन' में क्या है?
3. 'इट्स अ स्मॉल वर्ल्ड' क्या है?
4. 'टुमॉरोलैंड' की विशेषता क्या है?
5. किससे ऑटोग्राफ़ लेने और उसके साथ फ़ोटो खिंचवाने के लिए कौन बेचैन रहता है?

शब्दार्थ

भावी = आने वाले समय का (future), रहस्य = गोपनीय विषय (secret)

Scanned with CamScanner

अभ्यास

Comprehension
- MCQs
- oral & written expression

पाठ-ज्ञान

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the correct answer —

(क) माधवन कहाँ रहकर पढ़ाई कर रहा था?
मैक्सिको ☐ न्यूयॉर्क ☐ कैलिफ़ोर्निया ☑

(ख) राघवन कौन था?
माधवन का छोटा भाई ☐ उसका मित्र ☐ उसका बड़ा भाई ☐

(ग) डिज़नीलैंड कहाँ पर है?
कैलिफ़ोर्निया में ☐ कनाडा में ☐ क्लीनलैंड में ☐

(घ) माधवन कहाँ घूमने गया था?
चिल्ड्रन फ़ेयरीलैंड ☐ ग्रिफ़िथ पार्क ☐ डिज़नीलैंड ☐

(ङ) साधारण लोगों के लिए डिज़नीलैंड कब खुला?
18 जुलाई, 1950 को ☐ 18 जुलाई, 1955 को ☐ 18 जुलाई, 1960 को ☐

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer the questions —

(क) माधवन के आने से सब खुश क्यों थे?
....
....
....

(ख) 'डिज़नीलैंड' का नाम सुनते ही कौन चौंका और क्यों?
....
....
....

Scanned with CamScanner

(ग) डिज़नीलैंड के राइड्स के बारे में माधवन ने क्या-क्या बताया?

....

....

....

(घ) 'डिज़नीलैंड' को 'जादुई नगरी' क्यों कहा जाता है?

....

....

....

(ङ) वॉल्ट डिज़नी के मन में इसे बनाने की बात कब आई और क्यों? *(मूल्यपरक प्रश्न)*

....

....

....

3. वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए

Tick (✓) the correct sentences and cross (×) the wrong ones —

(क) डिज़नीलैंड एक थीम पार्क है। [✓]

(ख) डिज़नीलैंड को वाल्ट डिज़नी की दो बेटियों ने बनाया था। [ ]

(ग) 18 जुलाई, 1955 को पहले दिन इसे देखने के लिए 50,000 लोग आए। [ ]

(घ) सिंड्रेला से बच्चे ऑटोग्राफ़ ले रहे थे। [ ]

(ङ) 'टून टाउन' मे दो राजकुमारियाँ रहती हैं। [ ]

(च) 'इट्स अ स्मॉल वर्ल्ड' की मज़ेदार यात्रा पूरे विश्व का दर्शन करा देती है। [ ]

शब्द-संपदा

Vocabulary building

1. विलोम शब्द लिखिए Write the opposites (antonyms) —

विशाल × लघु	अद्भुत ×	परिचित × ....
प्रसिद्ध ×	आनंद ×	लुभाना × ....

Scanned with CamScanner

2. पाठ में से दस विदेशी शब्द छाँटकर लिखिए Choose and write ten 'विदेशी शब्द' from the lesson —

....

....

3. शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए Write the plurals of the given words —

बच्चा —	बच्चे	प्याली —	प्यालियाँ
बूढ़ा —	....	राजकुमारी —	....
बेटा —	....	सवारी —	....
महीना —	....	कहानी —	....

4. श्रुतलेख लिखिए Listen and write —

रोमांचक वैज्ञानिक चमत्कार अद्भुत मनमोहक दृश्य उत्साह साकार

भाषा-बोध

Grammar Skills

1. पाठ में आए किन्हीं चार भाववाचक संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए Choose four abstract nouns from the lesson & make sentences —

....

....

....

....

2. विशेषणों के लिए दो-दो विशेष्य लिखिए Write two Nouns each for the Adjectives given below —

जादुई	.... , ...	मज़ेदार	.... , ...
हजारों	.... , ...	रोमांचक	.... , ...
अद्भुत	.... , ...	छोटा	.... , ...

Scanned with CamScanner

3. **वाक्यों की क्रियाएँ पहचानकर कर अकर्मक या सकर्मक लिखिए State whether the verbs in the sentences are transitive or intransitive —**

(क) करीब सात-आठ महीने बाद माधवन घर आया था। अकर्मक क्रिया

(ख) वह कैलिफ़ोर्निया में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था। ....

(ग) राघवन ने अपने बड़े भाई से वहाँ की ज़िंदगी के बारे में जानना चाहा। ....

(घ) डिज़नीलैंड पार्क सपनों की अद्‌भुत दुनिया है। ....

(ङ) घर के आसपास के बहुत से लोग उससे मिलने आए थे। ....

4. **सही योजक शब्द से वाक्यों को जोड़कर लिखिए Complete the sentences with appropriate conjunctions —**

कि / और / क्योंकि / इसलिए / तथा / परंतु

(क) वॉल्ड डिज़नी अपनी दो बेटियों — डायना और शेरॉन के साथ ग्रिफ़िथ पार्क घूमने गए।

(ख) माधवन अभी रुका ही था .... राघवन ने प्रश्नों की बौछार कर दी।

(ग) डिज़नीलैंड में कॉमिक्स .... कहानियों के परिचित पात्र साकार किए गए हैं।

(घ) गला सूख रहा था .... वह पानी लेने के लिए गई।

(ङ) हम ऑटोग्राफ़ नहीं ले पाए .... वहाँ बहुत भीड़ थी।

(च) उसे बहुत मना किया .... वह नहीं माना।

5. **दिए गए निर्देश के अनुसार वाक्य बदलिए Change the sentence according to direction —**

(क) डिज़नीलैंड की अनोखी दुनिया की सैर का मज़ा ही अनोखा है। *(भूत काल में)*

....

(ख) कल वहाँ बहुत भीड़-भाड़ थी। *(भविष्यत काल में)*

....

(ग) 'टिगर' की हँसाने वाली उछल-कूद देखकर सब मस्त हो गए। *(वर्तमान काल में)*

....

Scanned with CamScanner

श्रवण/वाचन-कौशल का विकास

Listening/Speaking Skills

आप गरमी/सरदी की छुट्टियों में कहीं-न-कहीं घूमने जाते होंगे। जिस जगह आप जा रहे हों, वहाँ क्या-क्या चीज़ें देखने लायक हैं, उन्हें क्यों देखना चाहिए, उनकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं? इनके बारे में इंटरनेट से जानिए। फिर अपने माता-पिता को भी बताइए।
Talk about the places you visit during holidays. Collect their salient points from the internet. Discuss with your parents.

आपकी कलम से

Creative Expression
- making sentences

क्या आप किसी एम्यूज़मेंट पार्क में घूमने गए हैं? आपके रोचक अनुभव छह से सात वाक्यों में लिखिए **Have you ever been to any Amusement Park? Write your experience in six to seven sentences —**

....

....

....

....

....

....

....

खेल-खेल में

Creative Activity
- collecting data
- making a list

भारत में कहाँ-कहाँ एम्यूज़मेंट पार्क हैं और उनके नाम क्या हैं? उनकी सूची बनाइए
Make a list of Amusement Parks in India. Where are they situated?

सहायता के लिए —

- इंटरनेट से जानकारी
- Encyclopaedia से मदद
- शिक्षिका की मदद
- Tourist guide की मदद

Scanned with CamScanner

8 अनोखा यज्ञ

पठन से पूर्व

प्राचीन काल में यज्ञ करने के अनेक कारण होते थे — कोई देवताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए यज्ञ करता, तो कोई अपनी मनोवांछित पूर्ति के लिए और कोई वातावरण को शुद्ध करने के लिए। यज्ञ में दी जाने वाली आहुतियों से वातावरण पवित्र हो जाया करता था। आज भी हवन करने की प्रथा भारत में विद्यमान है, जो शुभ कर्म का प्रतीक है।

चर्चा करें

घर में या मंदिरों में हवन कैसे किया जाता है— बच्चों ने देखा है या नहीं! किस-किस उपलक्ष्य में हवन किया जाता है? इनके बारे में चर्चा करें।

जीवन-मूल्य

पर्यावरण-संरक्षण, वृक्षों का महत्त्व, गंभीरता, परोपकार, आत्मशुद्धि, सकारात्मक सोच उत्पन्न करना, श्रम का महत्त्व तथा स्वस्थ जीवन-शैली का विकास।

पात्र : राजा, महामंत्री, राजज्योतिषी, युवा संन्यासी

पहला दृश्य

(एक बीमार राजा चिंता में डूबे अपने सिंहासन पर बैठे हैं। दरबार में बैठे लोग आपस में बातचीत कर रहे हैं। दरबार का वातावरण गंभीर है। तभी राजा महामंत्री की ओर देखकर बोलने लगते हैं।)

राजा : *(उदासी एवं निराशा में)* महामंत्री, मैं अपने जीवन से निराश हो चुका हूँ। पता नहीं, मेरी बीमारी ठीक होगी भी या नहीं। अब तो धूप लगने या धूल उड़ने से यह और भी ज़्यादा बढ़ती जा रही है।

महामंत्री : आप निराश न हों महाराज! कोई न कोई उपाय तो ज़रूर निकलेगा।

राजा : अब क्या उपाय निकलेगा! देश के सारे वैद्य-हकीमों से तो कुछ हो नहीं पाया। भला अब कोई क्या कर सकता है! लगता है, अंत निकट ही है।

Scanned with CamScanner

महामंत्री : ऐसा न कहिए महाराज! मैंने आज राजज्योतिषी जी को दरबार में बुलाया है। वे अवश्य कोई-न-कोई उपाय बताएँगे।

दूसरा दृश्य

(राजज्योतिषी जी दरबार में प्रवेश करते हैं। सभी दरबारी खड़े होकर उनका अभिनंदन करते हैं।)

राजज्योतिषी : मेरा आशीर्वाद सदा आपके साथ है।

राजा : आपको तो पता ही होगा कि......

(राजज्योतिषी जी गंभीरता से गरदन हिलाते हैं।)

मौखिक प्रश्न

1. दरबार का वातावरण गंभीर क्यों था?
2. राजा की बीमारी किससे और बढ़ती जा रही थी?
3. महामंत्री ने राजा से क्या कहा?

राजज्योतिषी : महामंत्री जी ने मुझे सब कुछ बता दिया था। बहुत सोच-विचार के बाद मैं इस निर्णय पर पहुँचा हूँ कि एक यज्ञ के द्वारा ही आप स्वस्थ हो सकते हैं। लेकिन इस यज्ञ में आपको ऐसा दान देना होगा, जो सारी प्रजा के काम आए।

महामंत्री : *(कुछ घबराकर)* ऐसा कौन-सा दान हो सकता है राजज्योतिषी जी? और हवन से जो धुआँ उड़ेगा, उससे तो महाराज की तबीयत ज़्यादा बिगड़ जाएगी।

राजज्योतिषी : पर उपाय यही है।

(राजज्योतिषी जी की बात सुनकर सारे दरबार में सन्नाटा छा जाता है। यदि यज्ञ कराएँ, तब भी हानि और न करवाएँ तब भी हानि। किसी के पास इस समस्या का कोई समाधान नहीं था। तभी एक संन्यासी ने दरबार में प्रवेश किया और महामंत्री से कहा—)

संन्यासी : महामंत्री जी, मैं एक ऐसी विधि जानता हूँ, जिससे यज्ञ भी हो जाएगा और धुआँ भी नहीं उड़ेगा।

शब्दार्थ

राजज्योतिषी = राजा का मुख्य ज्योतिषी (royal astrologer), अभिनंदन = स्वागत करना (to welcome), निर्णय = फ़ैसला (decision), यज्ञ = हवन, होम (yajna), स्वस्थ = निरोग (healthy), सन्नाटा = खामोशी, शांति (silence), समाधान = हल (solution), विधि = कार्य करने का तरीका (procedure)

Scanned with CamScanner

(सारा दरबार उत्सुकता से उस संन्यासी की ओर देखता है। राजा के चेहरे पर भी चमक आ जाती है।)

महामंत्री : *(आश्चर्यचकित होकर)* ऐसी कौन-सी विधि है? हमें भी बताएँ।

संन्यासी : समय आने पर आप स्वयं देख लेंगे, महामंत्री जी। किंतु सबसे पहले आप एक चौरस मैदान में एक सौ एक गड्ढे खुदवा दें। साथ ही एक सौ एक अलग-अलग प्रकार के पौधों का भी प्रबंध कर दें। मैं कल प्रातः यज्ञ आरंभ करूँगा।

मौखिक प्रश्न

1. राजज्योतिषी ने दरबार में प्रवेश कर क्या कहा?
2. उनकी बात सुनकर दरबार में सन्नाटा क्यों छा गया?
3. संन्यासी ने आकर क्या कहा?

(सारे देश में इस अनोखे यज्ञ का समाचार फैल गया। दूर-दूर से लोग इस यज्ञ को देखने के लिए आने लगे।)

तीसरा दृश्य

(एक बड़ा-सा चौरस मैदान, जिसमें एक सौ एक गड्ढे खुदे हुए हैं और अलग-अलग प्रकार के पौधे एक स्थान पर रखे हैं। लोगों की भीड़ आँखें फाड़-फाड़कर यज्ञ के आरंभ होने की प्रतीक्षा में लगी है।)

संन्यासी : *(मंत्रों का उच्चारण करते हुए)* महाराज, अब आप एक-एक पौधा अलग-अलग गड्ढे में लगाते जाएँ।

शब्दार्थ

उत्सुकता = जानने की तीव्र इच्छा (keen curiosity), चौरस = चारों तरफ़ एक जैसी समतल भूमि (flat plain), प्रतीक्षा = इंतज़ार (wait)

Scanned with CamScanner

राजा : (पौधों की खुशबू से मोहित होता हुआ) महात्मन! इन पौधों से तो बहुत अच्छी खुशबू आ रही है।

(राजा ने एक सौ एक गड्ढों में पौधे लगा दिए। उनके शरीर पर पसीने की बूँदें उभर आईं। वे थके-थके से लग रहे थे, लेकिन फिर भी धूप और धूल उन्हें परेशान नहीं कर रही थी। तभी संन्यासी जी बोले—)

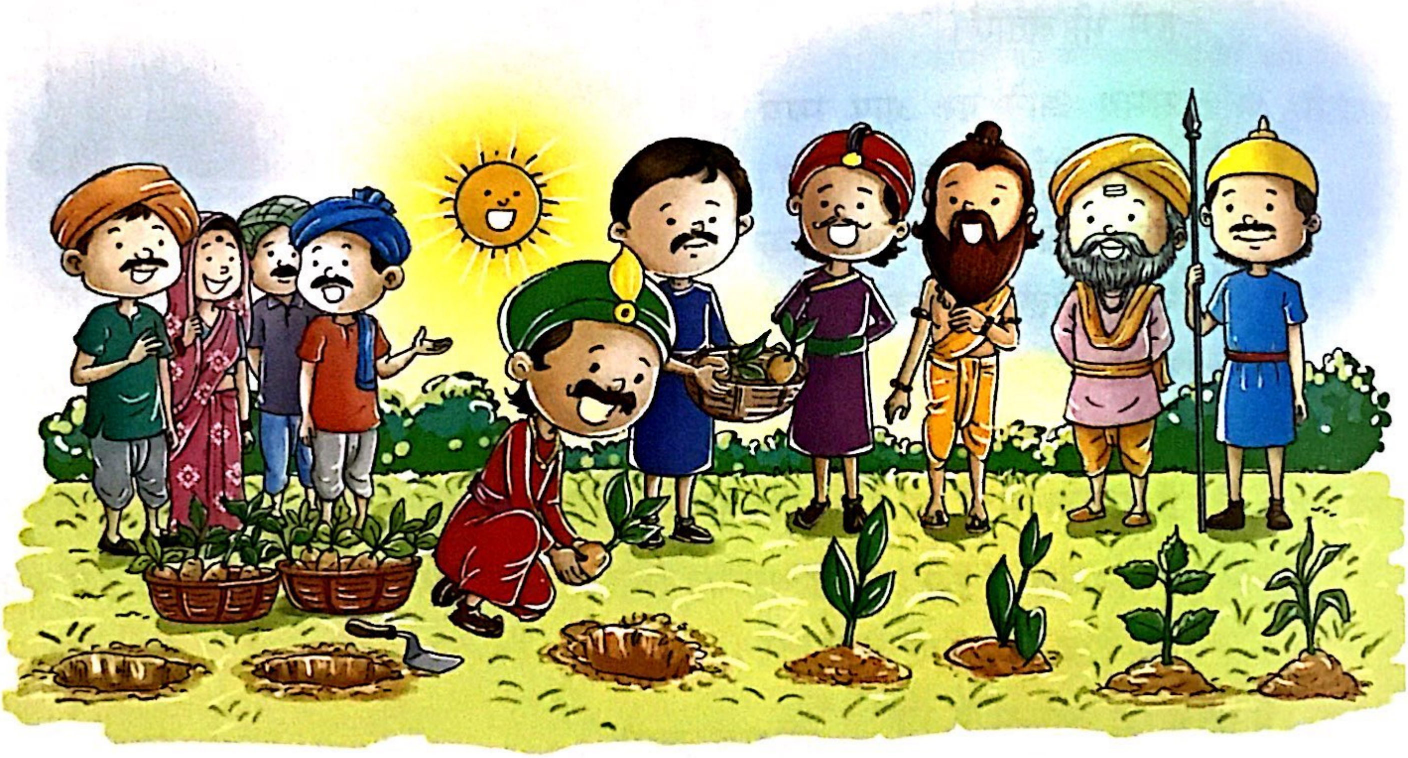

संन्यासी : यदि आप प्रतिदिन इनकी देखभाल करेंगे, तो इनके फूलों की खुशबू से आप प्रसन्नचित्त भी हो जाएँगे।

राजा : (*कुछ दृढ़ता दिखाते हुए*) महात्मन! मैं स्वयं इनकी देखभाल करूँगा। इन्हें बिलकुल अपने बालक के समान पालूँगा।

शब्दार्थ

मोहित = मुग्ध, लुभाया हुआ (fascinated by), प्रसन्नचित्त = जिसका मन खुश हो (happy), दृढ़ता = जिसमें कोई हेर-फेर न हो, ऐसा भाव (firmness)

Scanned with CamScanner

संन्यासी : हाँ, महाराज! आपको ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि श्रम के अभाव में मनुष्य अस्वस्थ हो जाता है। धन-संपत्ति से सब कुछ खरीदा जा सकता है, किंतु स्वास्थ्य नहीं। हम सभी को प्रतिदिन कुछ-न-कुछ श्रम अवश्य करना चाहिए।

राजा : पर महात्मन, वह दान!

संन्यासी : हो तो गया दान। आपके द्वारा लगाए गए पौधों से जो लाभ प्राप्त होगा, वह दान के रूप में सारी प्रजा को मिल जाएगा।

(संन्यासी की बात सुनकर हज़ारों स्त्री-पुरुषों की तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गूँज उठता है। सभी संन्यासी की प्रशंसा करते-करते अपने-अपने घर की राह लेते हैं।)

(परदा गिरता है।)

मौखिक प्रश्न

1. संन्यासी ने यज्ञ के लिए कौन-सी तैयारी करने के लिए कहा?
2. संन्यासी ने राजा से क्या करने के लिए कहा?
3. पेड़ों की देखभाल के संबंध में राजा ने दृढ़ता से क्या कहा?
4. संन्यासी ने राजा को क्या समझाया?

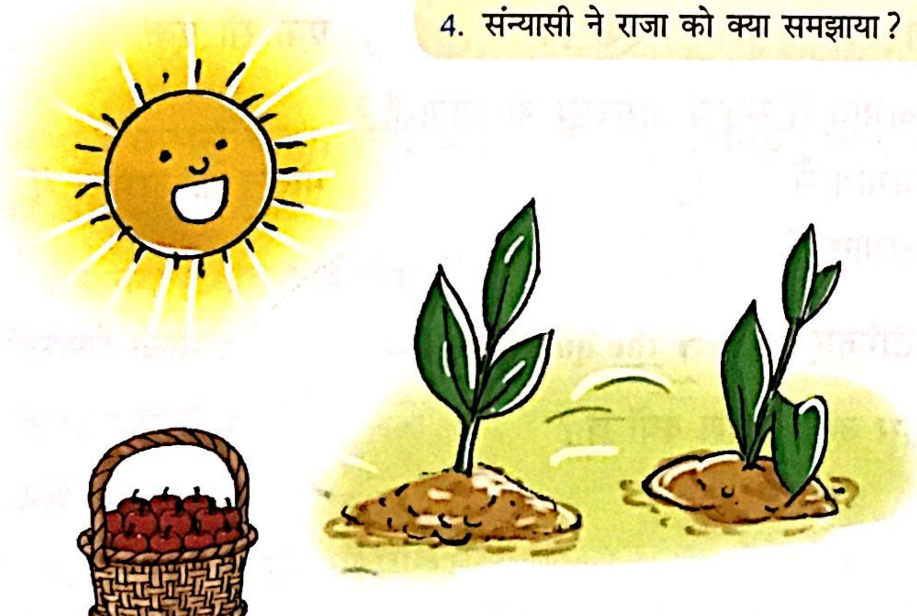

ST. MARY'S ENGLISH SCHOOL
LIBRARY
No.
JALNA

शब्दार्थ

श्रम = मेहनत (hard work)

Scanned with CamScanner

अभ्यास

Comprehension
- MCQs
- oral & written expression

पाठ-ज्ञान

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the correct answer —

(क) राजा की उदासी एवं निराशा का कारण क्या था?

उनकी बीमारी ☑ उनकी प्रजा ☐ उनके धन-ऐश्वर्य का अभाव ☐

(ख) राजज्योतिषी ने क्या उपाय बताया?

तालाब खुदवाना ☐ पूजा-पाठ करना ☐

यज्ञ के साथ-साथ प्रजा के लिए दान करना ☐

(ग) क्या कोई ऐसा उपाय निकला, जिससे यज्ञ भी हुआ और धुआँ भी नहीं उड़ा?

नहीं ☐ हाँ ☐ पता नहीं ☐

(घ) संन्यासी ने राजा से कितने पौधे लगवाए?

एक हज़ार ☐ एक सौ ☐ एक सौ एक ☐

(ङ) किसके अभाव में मनुष्य अस्वस्थ हो जाता है?

धन के अभाव में ☐ भोजन के अभाव में ☐

श्रम के अभाव में ☐

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer the questions —

(क) राजा उदास और निराश क्यों थे?

....

....

....

(ख) राजज्योतिषी जी ने राजा को स्वस्थ करने के लिए क्या उपाय बताया?

....

....

....

(ग) संन्यासी ने यज्ञ के लिए क्या प्रबंध करने को कहा?

....

....

(घ) संन्यासी ने राजा से कैसा यज्ञ करवाया?

....

....

....

(ङ) संन्यासी ने राजा को क्या सीख दी? (मूल्यपरक प्रश्न)

....

....

....

3. किसने कहा, किससे कहा, क्यों कहा? सोचकर लिखिए Who said it? To whom? Why? Think and answer —

(क) "अब क्या उपाय निकलेगा!"

किसने कहा : ....

किससे कहा : ....

क्यों कहा : ....

(ख) "आप निराश न हों, महाराज!"

किसने कहा : ....

किससे कहा : ....

क्यों कहा : ....

Scanned with CamScanner

(ग) "मेरा आशीर्वाद सदा आपके साथ है!"

किसने कहा : ....

किससे कहा : ....

क्यों कहा : ....

(घ) "इन्हें बिलकुल अपने बालक के समान पालूँगा।"

किसने कहा : ....

किससे कहा : ....

क्यों कहा : ....

शब्द-संपदा

Vocabulary building

1. शब्दों के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए Write synonyms —

राजा — नृप	संपत्ति —	प्रबंध — ....
श्रम —	शरीर —	खुशबू — ....

2. विलोम शब्द लिखिए Write opposites (antonyms) —

जीवन × मरण	प्रशंसा ×	प्रसन्न × ....
लाभ ×	स्वस्थ ×	सुगंध × ....

3. आपने **शब्द-युग्म** के बारे में पिछली कक्षाओं में पढ़ा है। ये वे शब्द होते हैं, जो जोड़े में बोले या लिखे जाते हैं।

जैसे - स्त्री-पुरुष, दिन-रात, लाभ-हानि, अलग-अलग, बार-बार आदि।

पाठ में से पाँच शब्द-युग्म छाँटकर लिखिए Choose five pair of words from the lesson —

....

....

Scanned with CamScanner

4. नीचे दिए पौधों को शब्दकोश के क्रम से गड्ढों में लगाइए **Plant the saplings alphabetically as in a dictionary —**

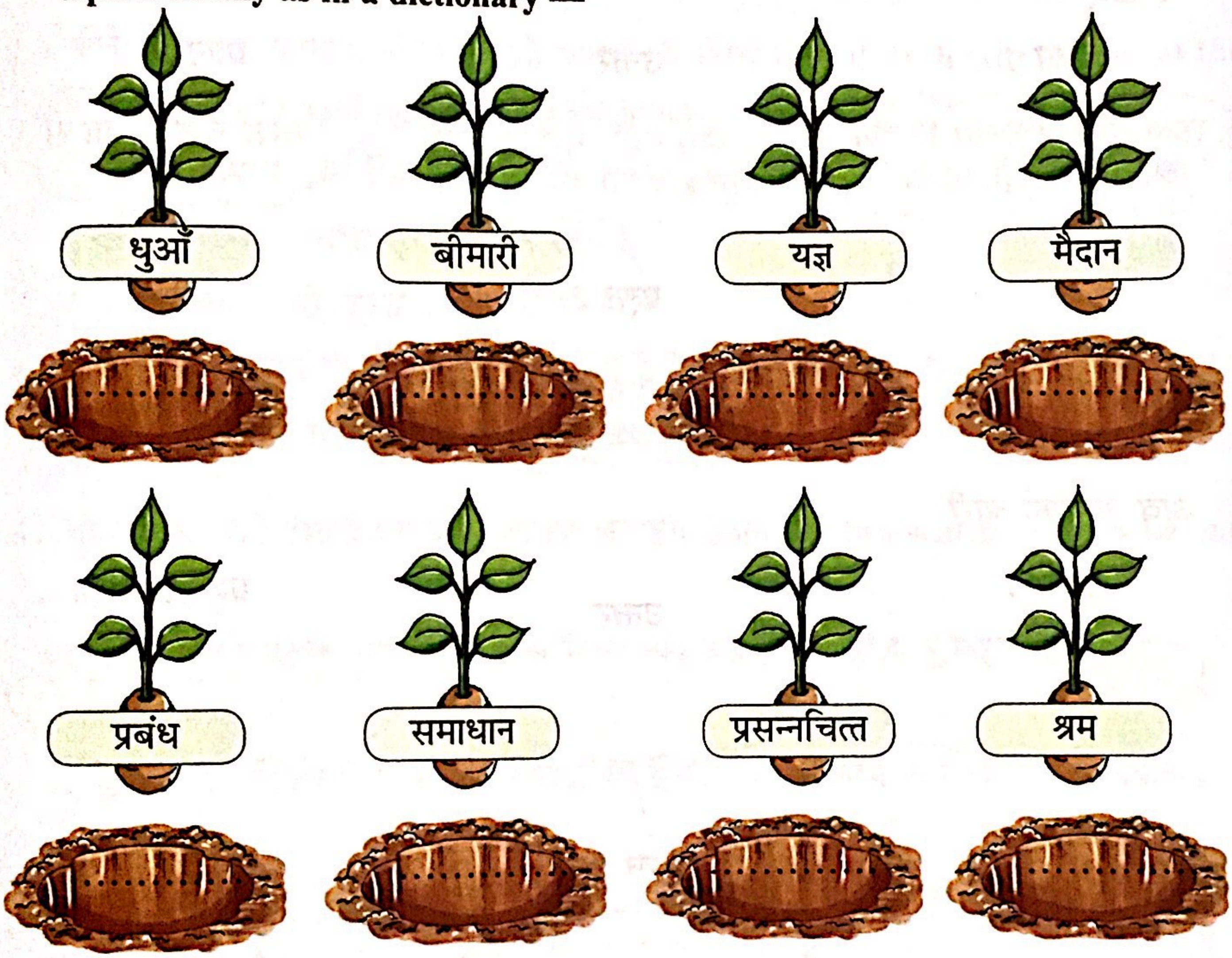

भाषा-बोध

Grammar Skills

1. नीचे दिए गए वाक्यों में भाववाचक संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए **Circle ◯ the abstract nouns in the following sentences —**

(क) राजा की (बीमारी) बढ़ती जा रही थी।

(ख) राजा के चेहरे पर उदासी और निराशा छाई हुई थी।

(ग) पौधों से बहुत अच्छी खुशबू आ रही थी।

(घ) धन-संपत्ति से स्वास्थ्य नहीं खरीदा जा सकता।

(ङ) सभी लोग संन्यासी की प्रशंसा कर रहे थे।

Scanned with CamScanner

2. बच्चो, आप जानते हैं— एक ही उत्तर के लिए कई तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। देखिए —

प्रश्न 1

राजा क्या सोचकर निराश और उदास हो रहे थे ?

उत्तर

'पता नहीं, मेरी बीमारी ठीक होगी भी या नहीं।

प्रश्न 3

राजा ने महामंत्री से क्या कहा ?

प्रश्न 2

राजा के मन में कौन-सा भाव उठ रहा था ?

अब आपकी बारी

प्रश्न 1

....
....

उत्तर

....
....

प्रश्न 3

....
....

प्रश्न 2

....
....

3. शब्दों में सही जगह पर अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) लगाइए
Add signs (ं) or (ँ) on the words given below —

स्वयं	सन्यासी	गभीरता	सपत्ति
करूगा	गूज	पालूगा	अभिनदन
महामत्री	बूद	प्रबध	प्रशसा

Scanned with CamScanner

4. **वाक्यों में क्रियापदों से संज्ञा शब्दों का लिंग मालूम होता है।**

नीचे दिए गए वाक्यों में मोटे छपे शब्दों के लिंग बताइए Write the gender of the words given in bold letters in each sentence —

(क) लगता है **अंत** निकट ही है। .... पुल्लिंग

(ख) मेरा **आशीर्वाद** सदा आपके साथ है। ....

(ग) हवन में जो **धुआँ** उड़ेगा, उससे तो ... .

(घ) ... लेकिन फिर भी **धूप** और **धूल** उन्हें परेशान नहीं कर रही थी। ....

(ङ) इन पौधों से तो बहुत अच्छी **खुशबू** आ रही है। ....

5. **दो वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए Join the two sentences to make one sentence —**

(क) सबसे पहले आप एक चौरस मैदान लें। उसमें एक सौ एक गड्ढे खुदवा लें।

....

(ख) धन-संपत्ति से सब कुछ खरीदा जा सकता है। स्वास्थ्य नहीं खरीदा जा सकता।

....

(ग) लोगों की भीड़ थी। भीड़ आँखें फाड़-फाड़कर यज्ञ आरंभ होने की प्रतीक्षा कर रही थी।

....

....

श्रवण/वाचन-कौशल का विकास

Listening/Speaking Skills

आपके विद्यालय में वन-महोत्सव मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर अपनी प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या का भाषण ध्यानपूर्वक सुनिए। फिर सारी बातें अपने पड़ोस के मित्र या अपने माता-पिता को सुनाइए। Your school has celebrated Van Mahotsava. Listen to your principal's speech carefully. Narrate to your neighbours, friends or parents.

Scanned with CamScanner

Creative Expression
- writing message

आपकी कलम से

इस एकांकी के द्वारा दो महत्वपूर्ण संदेश दिए गए हैं। वे संदेश क्या हैं? उन्हें समझाते हुए लिखिए Write two important messages given in this one act play. Explain them —

....

....

....

....

....

....

Creative Activities
- dramatics
- group discussion — making project
- collecting data

खेल-खेल में

(1) एकांकी का कक्षा में मंचन कीजिए Enact the play in class.

(2) कक्षा को चार-चार के समूह में बाँटिए। प्रत्येक समूह निम्नलिखित वृक्षों की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त कर एक परियोजना तैयार करे Work in group of four. Prepare a project on 'Usefulness of trees' —

❖ आँवला (amla)	❖ कदली (Kadli)	❖ नीम (neem)
❖ आम (aam)	❖ कनेर (kaner)	❖ पीपल (peepal)
❖ अशोक (ashok)	❖ केला (kela)	❖ वकुल (bakul)
❖ अर्जुन (arjun)	❖ बेल (bel)	❖ बरगद (bargad)

Scanned with CamScanner